हर इंसान-एक समान	एक राष्ट्र-एक जान	मेरा भारत महान

समता आन्दोलन समिति (रजि.)

प्रान्तीय कार्यालय :जी-3, संगम रेजीडेन्सी, प्लाट नं. 9-10, गंगाराम की ढाणी, वैशाली नगर, जयपुर

Website :www.samtaandolan.co.in	Email :samtaandolan@yahoo.in

माननीय श्री पानाचन्द जैन — संरक्षक (पूर्व न्यायाधिपति)
माननीय श्री अशोक कुमार सिंह — संरक्षक (पूर्व मेजर जनरल)
माननीय श्री भागीरथ शर्मा — संरक्षक (पूर्व आई. ए. एस.)

श्री इकराम राजस्थानी
सलाहकार, मो. 098290-78682

पाराशर नारायण शर्मा
अध्यक्ष, मो. 094133-89665

विमल चौरड़िया
महासचिव, मो. 094140-58289

ललित चाचाण
कोषाध्यक्ष, मो. 094140-95368

प्रान्तीय उपाध्यक्ष एवं पदेन सम्भागीय अध्यक्ष :-

जयपुर
ऋषिराज राठौड़
मो. 9694348039

अजमेर
एन. के.झामड
मो. 9414008416

बीकानेर
वाई. के. योगी
मो. 9414139621

भरतपुर
हेमराज गोयल
मो. 9460926850

जोधपुर
प्रहलाद सिंह राठौड़
मो. 9414085447

कोटा
डॉ. अनिल शर्मा
मो. 9414662244

उदयपुर
दूल्हा सिंह चूण्डावत
मो. 9571875488

क्रमांक 48625	दिनांक : 24.06.2020

आदरनीय श्रीमान नरेन्द्र मोदी साहेब
तपस्वी प्रधानमंत्री,
भारत सरकार, नई दिल्ली।

आयुर्वेद अपनाइये। कोरोना भगाईये।

विषयः— एलोपेथी माफिया और फार्मा कम्पनियों की गिरफ्त में आये केन्द्रीय आयुष राज्य मंत्री श्री श्रीपद नाइक द्वारा की जा रही अविधिक गतिविधियों पर तत्काल रोक लगाने बाबत।

संदर्भः— बाबा रामदेव की पातन्जली द्वारा घोषित कोविड—19 की दवाएँ।

महोदय,

विनय पूर्वक निवेदन है कि भारत देश का प्रत्येक नागरिक बड़ी पीड़ा और आश्चर्य से देख रहा है कि आप श्रीमान द्वारा अपने राष्ट्रीय उदबोधनों में कोविड—19 की रोकथाम एवं उपचार के संदर्भ में बार—बार भारतीय चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद के महत्व को रेखांकित किये जाने के बावजूद—

(अ) केन्द्रीय आयुष मंत्रालय द्वारा हजारों वर्ष पुरानी भारतीय चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद से कोविड—19 महामारी के रोकथाम एवं उपचार के लिए कोई सारगर्भित प्रयास नहीं किये गये।

(ब) पूरे देश में सरकारी सेवा में संलग्न हजारों विद्वान, अनुभवी आयुर्वेद चिकित्सकों को कोविड—19 महामारी के रोकथाम एवं उपचार के लिए कोई सारगर्भित उपयोग में लेने का प्रयास ही नहीं किया गया है।

(स) जिन विद्वान, अनुभवी, राष्ट्रप्रेमी आयुर्वेद चिकित्सकों द्वारा आयुर्वेद के आधार पर कोविड—19 के ईलाज का सारभूत दावा किया जा रहा है, उन्हें आयुष मंत्रालय एवं आयुष विभाग द्वारा कोई सम्बल प्रदान नहीं किया जा रहा है। क्लिनिकल ट्राइल की अनुमति नहीं दी जा रही हैं। एक के बाद एक बाधाएँ उत्पन्न की जा रही हैं।

(द) प्रत्येक प्रदेश और पूरे देश में हजारों की संख्या में कोविड—19 के मरीज विभिन्न प्रकार के आयुर्वेदिक उपचार से ठीक हो रहे हैं, आयुर्वेदिक औषधियों के आधार पर प्रतिरोधक क्षमता बढाकर कम संख्या में संक्रमित हो रहे हैं, लेकिन आयुष मंत्रालय द्वारा ऐसे कोई आंकड़े प्रकाशित नहीं किये जा रहे हैं, ना कोई संग्रहित किये जाने के प्रयास किये जा रहे हैं बल्कि जहाँ ऐसे सकारात्मक प्रयास सामने आ रहे हैं उन्हें दबाया जा रहा है।

(य) यह सर्व विदित है कि ऐलोपैथी में घोषित रूप से आज तक कोविड—19 महामारी की रोकथाम या उपचार की कोई प्रमाणित दवाई नहीं है, इसके विपरीत प्रत्येक अनुभवी एवं विद्वान आयुर्वेदिक चिकित्सक कोविड—19 महामारी की रोकथाम एवं उपचार के लिए तैयार बैठा है, फिर भी उन्हें अविधिक रूप से अनुमति नहीं दी जा रही है।

(र) देश में अनेक आयुर्वेद चिकित्सक अपने स्तर पर कोविड—19 के मरीजों का ईलाज कर रहे हैं, लेकिन सरकारी स्तर पर ऐसे मानवतावादी वैद्यों को धमकाया जा रहा है, डराया जा रहा है, कानूनी कार्यवाही का भय दिखाया जा रहा है।

(ल) यह बेहद पीड़ादायक है कि भारत देश में प्लाजमा थैरेपी, रेडियेशन थैरेपी, हाईड्रोक्सो क्लोरोक्वीन, आइवरमेक्टीन, फेवीपीराविल एवं रेम्डेशिविर जैसे अप्रमाणिक एलोपैथी उपचारों के लिए तत्काल अनुमति दी जाती है, कोई रोकटोक नहीं की जाती और भारतीय चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद के हजारों वर्ष पुरानी अनुभूत औषधियों को मुखर्तापूर्ण अड़ंगों से रोका जाता है।

(लगातार—— 2)

इंसान-एक समान एक राष्ट्र-एक जान मेरा भारत महान

समता आन्दोलन समिति (रजि.)

प्रान्तीय कार्यालय : जी-3, संगम रेजीडेन्सी, प्लाट नं. 9-10, गंगाराम की ढाणी, वैशाली नगर, जयपुर

Website : www.samtaandolan.co.in Email : samtaandolan@yahoo.in

माननीय श्री पानाचन्द जैन
संरक्षक (पूर्व न्यायाधिपति)

माननीय श्री अशोक कुमार सिंह
संरक्षक (पूर्व मेजर जनरल)

माननीय श्री भागीरथ शर्मा
संरक्षक (पूर्व आई. ए. एस.)

श्री इकराम राजस्थानी
सलाहकार, मो. 098290-78682

पाराशर नारायण शर्मा
अध्यक्ष, मो. 094133-89665

विमल चौरड़िया
महासचिव , मो. 094140-58289

ललित चाचाण
कोषाध्यक्ष , मो. 094140-95368

प्रान्तीय उपाध्यक्ष एवं पदेन सम्भागीय अध्यक्ष :-

जयपुर
ऋषिराज राठौड़
मो. 9694348039

अजमेर
एन. के.झामड़
मो. 9414008416

बीकानेर
वाई. के. योगी
मो. 9414139621

भरतपुर
हेमराज गोयल
मो. 9460926850

जोधपुर
प्रहलाद सिंह राठौड़
मो. 9414085447

कोटा
डॉ. अनिल शर्मा
मो. 9414662244

उदयपुर
दूल्हा सिंह चूण्डावत
मो. 9571875488

क्रमांक दिनांक :

उपरोक्त दुर्भाग्यशाली परिस्थितियों के मद्देनजर जब केन्द्रीय आयुष मंत्रालय ने बाबा रामदेव की पातन्जली द्वारा कोविड–19 के ईलाज के लिए घोषित कोरानिल आदि दवाइयों के प्रचार पर जो हडबड़ी में रोक लगाई है उससे प्रकट होता है कि:–

(1) केन्द्रीय आयुष मंत्री एलोपैथी माफियाओं और मल्टीनेशनल फार्मा कम्पनियों के हाथों की कठपुतली बन कर भारत देश के साथ विश्वासघात कर रहे हैं।

(2) केन्द्रीय आयुष मंत्रालय द्वारा भारतीय चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद के उत्थान की जगह इसके पतन के लिए सभी प्रबंध किये जा रहे हैं।

(3) यदि आयुर्वेद उपचार का उपयोग मार्च, 20 में ही शुरू कर दिया जाता तो कोविड–19 से मरने वाले हजारों नागरिकों की जान बचाई जा सकती थी। इनकी मौत के जिम्मेदार स्वयं केन्द्रीय आयुष मत्रालय है।

(4) बाबा रामदेव ने योग, आयुर्वेद एवं देशी चिकित्सा पद्धति को हमारे देश में पुनः स्थापित किया है। इनके शोध कार्य को पुरस्कृत करने के बजाय जिस तरह से आयुष मंत्रालय द्वारा बौखलाहट भरी नकारात्मक प्रतिकिया दी गई है वह पूरी केन्द्र सरकार की इज्जत को भारतीय नागरिकों एवं भाजपा के मतदाताओं के दिलों में गिराने वाली है।

अतः आपसे प्रार्थना है कि बाबा रामदेव की पातन्जली द्वारा पूरी कानून प्रकिया के बाद घोषित कोविड–19 के लिए घोषित औषधियों को तत्काल प्रचारित और प्रसारित करने की अनुमति दी जाए। कोई प्रकियात्मक कमी रह गई हो तो उसे सरकारी मदद द्वारा तत्काल पूरा करवाया जाए। पूरे देश में आयुर्वेद की औषधियों के आधार पर कोराना–19 की रोकथाम व उपचार की अनुमति या क्लिनिकल ट्रायल की अनुमति के लिए जो भी आवेदन आये हुये हैं या आने वाले हैं उन्हें तत्काल स्वीकृति दी जाए। उनकी निगरानी और डाटा संग्रहण के लिए तत्काल व्यवस्था की जाए। चूंकि आयुर्वेद में अनेकों औषधियाँ कोविड–19 जैसी विषाणु जनित बीमारियों के लिए हजारों वर्षों से कारगर हैं अतः सरकारी स्तर पर आयुर्वेद चिकित्सकों को कोविड–19 महामारी के ईलाज के लिए पूरी स्वतंत्रता से काम करने की छूट दी जावें।

आयुष मंत्री एवं आयुष विभाग के जिन–जिन अधिकारियों की भूमिका आयुर्वेद को कुचलने में रही है उनकी जांच करवाकर जिम्मेदारी तय की जावे एवं दण्डित किया जावे।

त्वरित सकारात्मक कार्यवाही के लिए अग्रिम धन्यवाद। सादर।

भवदीय

पाराशर नारायण

48626 से 49415

प्रतिलिपिः– सभी सम्मानित सांसदों को भेजकर निवेदन है कि एलोपैथी माफिया व मल्टीनेशनल फार्मा कम्पनियों की गिरफ्त में आकर देश के नागरिकों के जीवन से खेल रहे आयुष मंत्री और आयुष मंत्रालय की करतूतों पर तत्काल रोक लगवायें। आयुर्वेद को भारत की जीवनधारा बनवायें।

पाराशर नारायण